

2090

M.A. (Economics)-4th Semester
MAECO-402: Economics of Growth & Development-II
(In all mediums)

Max. Marks: 80

~~Optional: Options~~

NOTE: Note: Attempt 50% of Total Questions of Question Paper. Time: 2 Hours
All will carry equal marks. Fraction will be lower digit.

~~and~~

-*-

I. Write short notes on any ten of the following in about 25-30 words each: -

- (a) Change in composition of GDP with economic growth.
- (b) Meaning of human capital
- (c) Kuznets U curve
- (d) Agriculture-industry interface
- (e) Define urbanization
- (f) Rosenstein's contribution to balanced growth theory
- (g) Meaning of unbalanced growth
- (h) Difference between aid and FDI (Two Main points of difference)
- (i) Advantages of FDI in economic development
- (j) Secular deterioration in terms of trade hypothesis
- (k) Main argument of dependency school on international trade
- (l) Define 'market'.
- (m) Define 'state'.
- (n) Main reasons of government failure
- (o) Efficiency of the competitive market

(10×2)

UNIT - I

- II. Explain the relationship between economic growth and change in occupational structure. (15)
- III. Why Augmented Kuznets curve is called as 'Augmented'? Elaborate on the empirical evidence provided in support of Augmented Kuznets curve. (15)

UNIT - II

- IV. Explain Fei and Ranis model of agriculture-industry interface. Also show Lewis first and second turning points using suitable diagram. (15)
- V. Write a detailed essay on reconciliation of balanced and unbalanced growth strategies. (15)

UNIT - III

- VI. Out of three stories about trade and development relationship which one you prefer and why? (15)
- VII. Critically analyze the changing role of MNCs in the emerging scenario. (15)

UNIT - IV

- VIII. Provide an overview of the economic functions of the state. (15)
- IX. Critically analyze role of market in a dynamic economy. (15)

-*-

(Hindi/Punjabi versions enclosed)

P.T.O.

(2)

नोट: किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक भाग (1-4) से एक-एक प्रश्न का चयन करें। प्रश्न-1 अनिवार्य है।

--*

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दस प्रश्नों का उत्तर 25-30 शब्दों में दें।

- (क) आर्थिक विकास के साथ जी.डी.पी. की संरचना में बदलाव।
- (ख) मानव पूँजी का अर्थ।
- (ग) कुजनैट्स यू-कर्व।
- (घ) कृषि उद्योग इंटरफेस।
- (ड) शहरीकरण को परिभाषित करें।
- (च) संतुलित विकास सिद्धान्त में योजनायीन का योगदान।
- (छ) असंतुलित विकास का अर्थ।
- (ज) ए.आई.डी. और एफ.डी.आई. में अंतर के दो मुख्य विंदु।
- (झ) आर्थिक विकास में एफ.डी.आई. का लाभ।
- (ञ) व्यापार की परिकल्पना के संदर्भ में धर्मनिरपेक्ष गिरावट।
- (ट) निर्भगता का मुख्य तर्क अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का स्कूल।
- (ठ) बाजार को परिभाषित करें।
- (ड) स्टेट को परिभाषित करें।
- (छ) संग्राम की विफलता का मुख्य कारण।
- (ण) प्रतिमध्यी बाजार की दक्षता।

भाग-1

2. आर्थिक विकास और व्यवसायिक संरचना में परिवर्तन के बीच सम्बन्ध की व्याख्या करें।
3. क्यों कुजनैट्स वक्र को संवर्धित कहा जाता है? संवर्धित कुजनैट्स वक्र के समर्थन में किए गए अनुभवजन्य साक्ष्य पर विस्तार से बताइए।

भाग-2

4. कृषि उद्योग इंटरफेस के फैं और रेनिस मॉडल की व्याख्या करें। आयुक्त आरेख का उपयोग करके लेविस पहले और दूसरे मोड़ को भी दिखाएं।
5. संतुलित और असंतुलित विकास रणनीतियों के सामन्जस्य पर विस्तृत निबन्ध लिखें।

भाग-3

6. व्यापार और विकास सम्बन्ध की तीन कहानियों में से, आप किसे पंसद करते हैं और क्यों?
7. उभरते हुए परिदृश्य में बहुराष्ट्रीय कम्पनीयों की बदलती भूमिका का गंभीर रूप से विश्लेषण करें।

भाग-4

8. गज्ज के आर्थिक कार्यों पर विचार प्रकट करें।
9. गतिशील अर्थव्यवस्था में बाजार की भूमिका का गहन विश्लेषण करें।

--*

(3)

नेट: पूँजन नेटर । लाज्जमी है अते हरेक भागा (1-4) विंचे इंक-इंक पूँजन दी चेण करदे होए, सारिआं विंचे बूँज पूँजन बरै।

--*

1. हेठों लिखे पूँजनों विंचे बैंटी दूस पूँजनों दे उँडर 25-30 सघदां विंचे लिखे:-
(उ) आरविक विकास सहित जी.डी.पी. रचना विच परिवर्तन।
(अ) महँधी धुँजी दा अरब।
(इ) बज्जनैट्स धुँभेज।
(म) बेतीबाज्जी उद्योग इंटरफेस।
(ब) सहिरीबरण दी परिभासा करे।
(ब) मंडुलित विकास मियांड नु वैजेमटीन दा योगादान।
(ध) अमीडुलित विकास दा अरब।
(रा) ए.आई.डी. अते एड.डी.आई. विच अंडर दे दे मुँध धिंचु।
(घ) आरविक विकास विच ऐड.डी.आई. दे छाइदे।
(ब) व्यापार अठुमान दी मिआद विच यरम-निरूपण रुकमान।
(च) अंडरराम्पटी व्यापार उडे निरभरता सबुल दी मुँध दलील।
(झ) भारवीट दी परिभासा दिउ।
(ज) राज दी परिभासा करै।
(झ) सरकारी ना-वामजाई दे मुँध बारन।
(झ) प्रतिमध्यी बाजार दी योगादा।

भाग-1

2. आरविक विकास अते विंडा-मुँधी घन्डर विच उघदीली विचबार मिंधीयां नु सपस्ट करै।
3. अग्रभैनटिड बज्जनैट्स मेड नु विस्त्रित विंडु विंडु जांदा है? विस्त्रित बज्जनैट्स मेड दे सामरवन विच पूँजन बीते गाए प्रभाणिक मधुडां बारे विस्तरार विच दैस।

भाग-2

4. बेतीबाज्जी उद्योग दे इंटरफेस दे वी अते रेनिस भाडलां दी विआधिका बारे। रेखा चिंडरां दी वरदें बरदिआं लैविस पहिला अते दूजा मेड धिंचु वी विधाउ।
5. मंडुलित अते असंडलित विकास रणनीतीआं दे मुँज-समते ते उडे विस्तरार विच नेट लिखे।

भाग-3

6. व्यापार अते विकास मिंधीयां बारे तिन बहाणीआं विंचे उमी विहजी इक नु उरनीह दिए है अते विंडु।
7. उडरदे होए दिउ विच एम.एन.सी.जी दी बदलदी भूमिका बारे आलंचनात्मक विस्तेस्तन बरै।

भाग-4

8. राज दे आरविक बारजां बारे इक मिंधेप जाणकारी दिउ।
9. इक प्रावाम्पाली आरविकता विच बाजार दी भूमिका दा आलंचनात्मक विस्तेस्तन बरै।

--*